अग्नाशय कैंसर को लेकर डॉक्टरों ने जताई चिंता

कैंसर पीड़ित किसान को मिला जीवनदान

■ मुंबई, (सं). अग्नाशय कैंसर से पीड़ित 45 वर्षीय किसान का लीलावती अस्पताल में लेप्रोस्कोपिक व्हिपल सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक इलाज किया गया है. अस्पताल में पहली बार लेप्रोस्कोपिक तकनीक के सहारे अग्नाशय कैंसर का इलाज किया है. जीआई सर्जन डॉ. डी.आर. कुलकर्णी के नेतृत्व में कैंसर सर्जन डॉ. दीपक छाबड़ा और एनेस्थेटिस्ट डॉ. सुचेता एस. गायवाल ने मिलकर मरीज को जीवनदान दिया. महाराष्ट्र के वाशिम जिले के एक छोटे से गांव के रमेश शिरोडकर (मरीज का नाम बदला हुआ) को अचानक पेट दर्द, वजन कम होना, भूख न लगना और गहरे रंग का पेशाब हो रहा था. स्थानीय डॉक्टर से इलाज करवाया, लेकिन सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ.

लेप्रोस्कोपिक तकनीक का सहारा

वैद्यकीय जांच में उन्हें पित्त और अग्नाशय नली के मुहाने पर ट्यूमर के कारण ऑब्सट्रक्टिव पीलिया का पता चला, जिसे पेरियाम्पुलरी कैंसर कहा जाता है. उन्होंने पीलिया को कम करने के लिए तुरंत पित्त नली में एक स्टेंट डाला और मरीज को आगे के इलाज के लिए मुंबई जाने की सलाह दी. परिवार वालों ने उन्हें लीलावती अस्पताल दाखिल किया. अस्पताल में डॉ. डी.आर. कुलकर्णी के पास उनका इलाज शुरू हुआ. मरीज ने बिना किसी देरी किए लेप्रोस्कोपिक व्हिपल सर्जरी करवाई.

सर्जरी के दौरान अग्नाशय, पित्त नली और कैंसर वाले हिस्से को हटाया गया. डॉ. कुलकर्णी ने कहा कि अग्नाशय कैंसर 2030 तक कैंसर से संबंधित मौतों का दूसरा बड़ा कारण बन सकता है.